सरकस

कुँवर नारायण

दर्शकों से खचाखच भरी हुई दुनिया में
पूरी ईमानदारी से
जोकर का पार्ट अदा करते
संतुलन बनाये रखना
सबसे बड़ा कमाल था ।

पसीना पोछो
मेकअप धो डालो
तुम पहले आदमी नहीं
जिस पर बिरादरी का नाज़ है
न तुम अन्तिम आदमी हो
जिसकी कामयाबियों पर
पेट भर हँसी आती ।

कुँवर नारायण, **कोई दूसरा नहीं**
दिल्ली, राजकमल 1993:96